रायपुर

मंगलवार 03 नवंबर 2026

वर्ष-07, अंक-306

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में चार दिवसीय भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन का किया शुभारंभ

ऊर्जा क्षेत्र में 5.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़, वर्ष 2030 तक 15 हजार मेगावाट हरित ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य

130 से अधिक देशों की भागीदारी वाले वैश्विक ऊर्जा सम्मेलन में छत्तीसगढ़ ने प्रस्तुत की निवेश की व्यापक संभावनाएं

मुख्यमंत्रीश्री विष्णु देव साय ने निवेशकों से की चर्चा, सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के स्टॉल का किया अवलोकन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 में छत्तीसगढ़ ने ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य की अपनी योजनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चार दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक में भाग लिया। उन्होंने अगले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ के ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 5.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाओं की जानकारी देते हुए देश-विदेश के निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।इस अवसर पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी तथा केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद नाइक भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत 23 हजार 923 मेगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए तथा ताप विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार में लगभग 3.27 लाख करोड़ रुपए के निवेश की योजना है। राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रदेश की हरित ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 3 हजार मेगावाट से बढ़ाकर 15 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य रखा है। सके साथ ही बिजली की कुल मांग में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी वर्तमान 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत से अधिक करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करने का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 28 हजार मेगावाट से अधिक है। बिजली की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ताप विद्युत के साथ-साथ सौर ऊर्जा, जल विद्युत, बायोमास और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का संतुलित विकास कर रही है।

पंप स्टोरेज, बैटरी और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावनाएं:मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में बिजली की निर्बाध और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत 12 हजार 300 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 10 पंप स्टोरेज जल विद्युत परियोजनाओं की पहचान की गई है। इन परियोजनाओं में लगभग 65 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में प्रदेश में 10 हजार मेगावाट-घंटे क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली स्थापित करने की योजना है। राजनांदगांव में 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के साथ 40 मेगावाट/120 मेगावाट-घंटे क्षमता की बैटरी भंडारण प्रणाली पहले से संचालित है।

बायोगैस, एथेनॉल, ग्रीन हाइड्रोजन और परमाणु ऊर्जा पर भी विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि अवशेष, गोबर और अन्य जैविक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है। इनके उपयोग से कंप्रेस्ड बायोगैस, बायो-एथेनॉल और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इन संभावनाओं को नए उद्योगों और निवेश के अवसरों में बदलने के लिए कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 80 मीट्रिक टन क्षमता वाले आठ कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की दिशा में कार्य चल रहा है। इनमें लगभग 800 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त निजी निवेशकों से प्राप्त लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर भी प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में लगभग 4 हजार 200 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों सहित विभिन्न ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार औद्योगिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की ऊर्जा क्षमता का अधिकतम उपयोग हो, नए उद्योग स्थापित हों और रोजगार के अधिक अवसर सृजित हों।

वैश्विक निवेशकों के सामने प्रस्तुत की छत्तीसगढ़ की ऊर्जा क्षमता

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के स्टॉल का अवलोकन किया। यहां प्रदेश की प्रमुख ऊर्जा परियोजनाओं, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों, आधुनिक तकनीक के उपयोग और निवेश की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल पर उपस्थित अधिकारियों से विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी ली।मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मेलन में देश-विदेश से आए निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से चर्चा भी की। उन्होंने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीतियों, उपलब्ध संसाधनों, ऊर्जा क्षेत्र में विकसित हो रही अधोसंरचना और निवेश के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और नई परियोजनाओं की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।उल्लेखनीय है कि 2 से 5 नवंबर तक आयोजित इस वैश्विक सम्मेलन में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें 40 से अधिक मंत्री, नीति निर्माता, निवेशक और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

हैदराबाद में पूरा किया मैराथन, नाश्ते के लिए जाते समय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को आया हार्ट अटैक, मौत



नई दिल्ली। तेलंगाना के हैदराबाद में स्वस्थ रहने के उद्देश्य से मैराथन में भाग लेने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ एक अप्रत्याशित हादसा हो गया। मैराथन दौड़ पूरी करने और पदक प्राप्त करने के कुछ ही समय बाद, उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। रविवार (1 नवंबर) की सुबह हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में घटी इस दुखद घटना ने उनके साथ दौड़ने वालों और आयोजकों को गहरे सदमे में डाल दिया।
जानकारी के अनुसार, एनईबी की देखरेख में रविवार सुबह गचीबौली स्टेडियम में मैराथन का आयोजन किया गया था। मणिकोंडा की अलकापुर कॉलोनी के निवासी कोम्मिनेनी गोपी (36) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने उत्साहपूर्वक मैराथन में दौड़ लगाई और निर्धारित दूरी सफलतापूर्वक पूरी की। बाद में उन्हें पदक भी मिला।

समुद्र में और बढ़ेगी भारत की ताकत! नौसेना के लिए बनेंगे 8 नए युद्धपोत



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 8 नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट यानी युद्धपोत बनाने का करार किया है। इसके लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (त्नस्रु) के साथ 53,866।50 करोड़ रुपये का समझौता हुआ है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में इस करार पर हस्ताक्षर किए गए।इस करार के तहत, त्नक्रस्थ पांच कॉर्वेट बनाएगा, जबकि त्नस्रुतीन युद्धपोतों का निर्माण करेगा। खास बात यह है कि इन युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी और इनका निर्माण प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए चुनी गई सरकारी शिपयार्ड कंपनियां करेंगी। यह भारत में स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।ये नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट एडवांस मिसाइलों, हथियारों और सेंसर सिस्टम से लैस होंगे। के भीतर मौजूद खतरों से निपटने में सक्षम होगी।

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखी

हैदराबाद पहुंचे अमित शाह, चारमीनार के पास भाग्यलक्ष्मी मंदिर में की पूजा-अर्चना



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चारमीनार के पास स्थित ऐतिहासिक श्री भाग्यलक्ष्मी अम्मावरी मंदिर पहुंचे। देवी भाग्यलक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि-खुशहाली की कामना की।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को हैदराबाद दौरे के दौरान देवी भाग्यलक्ष्मी के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। उनके इस दौरे ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल बढ़ा दी है। बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और कमलम् पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।हवाई अड्डे से अमित शाह सीधे पुराने हैदराबाद पहुंचे। यहां ऐतिहासिक चारमीनार के नजदीक स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी अम्मावरी मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना की। गृह मंत्री के वीआईपी दौरे को देखते हुए पुराने शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस ने पूरे इलाके में निगरानी बढ़ाने के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखी। मंदिर में दर्शन और पूजा के बाद अमित शाह काकतीय होटल पहुंचे, जहां उन्होंने कुछ समय बिताया।भाग्य लक्ष्मी देवी के दर्शन के बाद अमित शाह ने कहा, ÷हैदराबाद के श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर में भाग्य लक्ष्मी देवी के दर्शन करने का अवसर पाकर मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मैं देवी लक्ष्मी से प्रार्थना करता हूं कि सभी लोग सदा सुख और धन से समृद्ध रहें।

अमेरिका में कोई भारतीय ऐसा प्रोटेस्ट करता तो क्या होता बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक्टर इमरान से कहा- माफी मांगें; सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल हुए थे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेता इमरान खान से सीजेपी विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। उनसे एक हलफनामा (अंडरटेकिंग) दाखिल करने के लिए कहा गया है, जिसमें यह लिखा हो कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे।
हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत की याद दिलाई और निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया नोटिस का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया



जाए।अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया (भारत छोड़ो) नोटिस पर रोक रहेगी।अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता।आप इतने सालों से भारत में रह रहे हैं, इस दौरान आपने कभी किसी प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया। फिर भी अब शामिल क्यों हुए।आप भारतीय नागरिक जैसे व्यवहार नहीं कर सकते, आप स्ट्रक्चरसे प्रभावित ही नहीं हैं, तो आपको प्रोटेस्ट का कोई हक नहीं।
आप बचपन से यहां हैं तो भारतीय नागरिकता के लिए अप्लाई क्यों नहीं करते?

मांडविया बोले-इंदिरा गांधी ने वोट चोरी कर जीता था चुनाव

संवाददाता ➤ जगदलपुर

जगदलपुर में सोमवार को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत भाजपा ने पदयात्रा निकाली। इससे पहले दंतेश्वरी मंदिर के सामने सभा हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और वन मंत्री केदार कश्यप और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस पर निशाना साधा।केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद में वोट चोरी कर चुनाव जीता था। जिसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव रद्द कर दिया था।
वन मंत्री केदार कश्यप ने हल्बी में कहा कि देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह पाकिस्तान या



बांग्लादेश नहीं, बल्कि देश के लोग तय करेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की तुलना लोमड़ी से और पीएम नरेंद्र मोदी को बाघ बताते हुए कहा कि देश में बाघ ही दहाड़ेगा।मनसुख मांडविया ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल सत्ता पाने के लिए देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके खिलाफ जनता खुद सड़कों पर उतरी है।

सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

हवाई यात्रा मत कीजिए, दिवाली पर किराए में 700 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने हवाई किराये में करीब 700 प्रतिशत की वृद्धि का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि वह हवाई यात्रा न करें। एक अधिवक्ता ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया।अधिवक्ता ने कहा कि हवाई किराये में 700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस पर पीठ ने कहा कि हवाई यात्रा न करें। अधिवक्ता ने इसके जवाब में कहा कि हवाई यात्रा एक आवश्यक सेवा है और किराये में



हेलिकॉप्टर पायलट की कितनी होती है सैलरी, दो पायलट अनिवार्य करने के फैसले का हो रहा विरोध

सर्वोच्च न्यायालय सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की ओर से दायर एक अलग याचिका पर पहले से ही सुनवाई कर रही है। इसमें नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत एवं स्वतंत्र नियामक की नियुक्ति तथा निजी विमानन कंपनियों द्वारा हवाई किराये और अन्य शुल्कों में होने वाले 'अनिश्चित उतार-चढ़ाव' को नियंत्रित करने के लिए नियामकीय दिशानिर्देश बनाने का अनुरोध किया गया है।16 नवंबर को मामले की होगी अगली सुनवाई इस याचिका पर 16 अक्टूबर को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया था कि भारतीय विमानन क्षेत्र को विनियमित करने के उद्देश्य से 2024 के एक कानून के तहत बनाए गए नियमों को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है और इन्हें दो सप्ताह के भीतर प्रकाशित किए जाने की संभावना है।शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से अगली सुनवाई की तारीख 16 नवंबर को भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत प्रकाशित नियमों को अदालत के समक्ष पेश करने को कहा था।

न्यूज इन शॉर्ट

दीपावली से पहले छत्तीसगढ़ की महिलाओं को बड़ा उपहार

रायपुर,छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। आगामी दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले योजना की नवंबर माह की 33वीं किस्त का अंतरण कल यानी 3 नवंबर 2026 को राज्योत्सव समारोह के दौरान किया जाएगा। गृह मंत्री श्री अमित शाह करेंगे राशि का अंतरण राज्योत्सव समारोह के मुख्य मंच से भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (क्टज) के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि सीधे अंतरित की जाएगी। त्योहार से पहले खाते में राशि आने से महिलाओं और उनके परिवारों में भारी उत्साह और उमंग का माहौल है। इन महिलाओं के खातों में पहुंचेगी राशि ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं प्रदेशभर की 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राही लाभान्वित होंगी। नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्र की 6,908 महिलाओं को उनकी 13वीं किस्त की राशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार कुल 67 लाख 40 हजार 410 महिलाओं को इस चरण में लाभ मिलेगा। योजना के सफर पर एक नजर छत्तीसगढ़ में 1 मार्च 2024 से लागू इस योजना के तहत पहली किश्त 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से प्रदान की गई थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अब तक 32 किस्तों के माध्यम से महिलाओं को कुल 20 हजार 717.87 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। 33वीं किस्त के जुड़ने के बाद यह कुल आंकड़ा बढ़कर 21 हजार 350.50 करोड़ रुपये हो जाएगा।
छत्तीसगढ़ शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। हितग्राही महिलाएं भुगतान की स्थिति व अन्य जानकारी आधिकारिक पोर्टल तथा प्ले स्टोर पर उपलब्ध मोबाइल ऐप के माध्यम से प्राप्त कर सकती हैं।

छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के अधिकारों को बड़ा संरक्षण

रायपुर छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने राज्य के श्रमिकों और कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा अधिकारों को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य शासन द्वारा 'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' के प्रावधानों के तहत छत्तीसगढ़ सामाजिक सुरक्षा नियम, 2026 को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया गया है। इस संबंध में श्रम विभाग, मंत्रालय (महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर) द्वारा गत 30 अक्टूबर 2026 को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। सुझावों पर विचार के बाद लागू हुए अंतिम नियम उल्लेखनीय है कि इन नए नियमों का प्रारूप पहले 10 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया था, जिसके माध्यम से आम जनता, संबंधित संस्थाओं, हितधारकों और अन्य पक्षों से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त सुझावों पर राज्य शासन द्वारा गंभीरता से विचार-विमर्श करने के पश्चात अब इन अंतिम नियमों को अधिसूचित कर दिया गया है। ये नवीन नियम सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 154, 156 और 158 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए बनाए गए हैं। इसके जरिए राज्य में सामाजिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इन क्षेत्रों को मिलेगा सीधा लाभ इस अधिसूचना के लागू होने से पूर्व में प्रचलित विभिन्न राज्य स्तरीय श्रम और सामाजिक सुरक्षा नियमों के स्थान पर एक एकीकृत और आधुनिक व्यवस्था स्थापित होगी। इसमें मुख्य रूप से कर्मकार क्षतिपूर्ति, प्रसूति प्रसुविधा, उपदान भुगतान, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण और असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र शामिल हैं।
श्रमिक कल्याण की दिशा में मील का पत्थर
राज्य शासन की इस पहल को संगठित और असंगठित क्षेत्र के कामगारों, श्रमिकों तथा कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने किया विभागीय स्टॉल का निरीक्षण, वनोपजों से बने उत्पादों को चखा

पौधरोपण, बांस शिल्प, वनोपज और हर्बल उत्पादों के जरिए दिखी वन संरक्षण और रोजगार संवर्धन की तस्वीर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



छत्तीसगढ़ के 26वें स्थापना दिवस पर नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां जंगल और वन्यजीवों के संरक्षण के साथ आदिवासी संस्कृति, ग्रामीण आजीविका और आत्मनिर्भरता की पहल एक साथ देखने को मिल रही हैं। आज राजधानी रायपुर में राज्योत्सव के दूसरे दिन वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने विभागीय स्टॉल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान मंत्री श्री कश्यप ने वनोपजों से बने उत्पादों को चखा और उत्पादन. प्रसंस्करण को लेकर वन धन विकास केन्द्र के समिति सदस्यों से जानकारी ली।

गौरतलब है कि राजधानी रायपुर में राज्योत्सव स्थल पर अनेक विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की योजनाओं और विभागीय जानकारी प्रदान करने प्रदर्शनी भी है। इसमें विभागीय प्रदर्शनी का मुख्य द्वार इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर के प्रसिद्ध चेंदरू द्वार की तर्ज पर बनाया गया है। इसमें बस्तर के आदिवासी युवक चेंदरू और बाघ की मित्रता को दर्शाया गया है, जो मानव और वन्यजीव के सह-अस्तित्व का प्रतीक है। सोमवार 2 नवंबर को विभागीय मंत्री श्री केदार कश्यप प्रदर्शनी निरीक्षण के लिए पहुँचे। मंत्री श्री कश्यप ने वनोपजों से बनी औषधियों के बारे में समिति और विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान लहसुन व अन्य वनोपज से बनी दवाओं के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कोदो से बने बिस्कुट का स्वाद चखा और इसकी सराहना की। मंत्री श्री कश्यप ने कभी नक्सलवाद से जुड़ी रहने वाली आत्मसमर्पित महिलाएँ जो अब वन धन विकास केन्द्रों से जुड़कर मुख्यधारा में काम कर रही हैं, उनसे चर्चा की।

राज्योत्सव के दौरान वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से 'संवरता छत्तीसगढ़' थीम के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की उपलब्धियां प्रदर्शित की गई हैं। विभाग के अनुसार वर्ष 2024 में 3.50 करोड़ और वर्ष 2025 में 3.55 करोड़ पौधे रोपे गए। किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत 36,896 किसानों ने अपनी 62,441 एकड़ निजी भूमि पर 3.67 करोड़ पौधे लगाए हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आय बढ़ाने के अवसर भी बने हैं।

'बदलता बस्तर' पैनल में क्षेत्र में आए बदलाव और आजीविका संवर्धन के प्रयासों को दर्शाया गया है। इसके तहत 572 देवगुड़ियों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार किया गया है। मनरेगा के माध्यम से 21.67 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ है। वनोपज संग्रहण से ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है। कांगेर वैली क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 35 जिप्सियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे लगभग 200 स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। संयुक्त वन प्रबंधन एवं रोजगार स्टॉल पर बांस से बने घर, नाव, मछली, लालटेन, मंदिर, फूलदान और सजावटी उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। ये उत्पाद ग्रामीण कारीगरों की कला और कौशल को सामने लाते हैं। वन धन केंद्रों में तैयार शहद, आंवला और अन्य उत्पाद भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

एमसीबी के राज्योत्सव में फीका पड़ा उत्साह, उम्मीद के मुताबिक नहीं जुटी भीड़

भव्य आयोजन के दावों के बीच खाली नजर आया आयोजन स्थल,

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह इस बार अपेक्षित उत्साह और जनभागीदारी के अभाव में फीका नजर आया। पूर्व में आयोजित राज्योत्सव समारोहों की तुलना में इस बार आयोजन स्थल पर लोगों की संख्या में स्पष्ट कमी दिखाई दी। भव्य आयोजन की तैयारियों और दावों के बीच खाली नजर आती कुर्सियों ने जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राज्योत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों और औपचारिकताओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसके माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, उपलब्धियों और विकास कार्यों को आम जनता तक पहुंचाना भी होता है। ऐसे में जब जिला स्तरीय आयोजन में ही अपेक्षित जनभागीदारी नजर नहीं आती, तो आयोजन की तैयारियों और आमंत्रण व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी हो रही है कि क्या इस बार राज्योत्सव का पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया गया? क्या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों तक कार्यक्रम की जानकारी समय पर नहीं पहुंच पाई? या फिर आयोजन की रूपरेखा और व्यवस्थाएं लोगों को आकर्षित करने में सफल नहीं हो सकीं?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब राज्योत्सव के आयोजन पर शासन की राशि खर्च की जाती है, तो उसका लाभ और उत्साह आम जनता तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है? जिला प्रशासन को इस पर गंभीरता से आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

अब जवाबदेही तय करने का समय

राज्योत्सव में कम भीड़ को केवल संयोग मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिला प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्रचार-प्रसार के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए, कितने लोगों तक सूचना पहुंचाई गई और आयोजन को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए क्या रणनीति अपनाई गई थी।

आखिरकार सवाल यही है कि राज्योत्सव जनता का उत्सव है या केवल प्रशासनिक औपचारिकता? भव्य आयोजन के दावों के बीच फीका पड़ा उत्साह निश्चित रूप से जिम्मेदार अधिकारियों के लिए आत्ममंथन का विषय है।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

योजना के प्रारूप पर सुझाव आमंत्रित

एक से 30 नवंबर तक ईमेल से भेज सकेंगे सुझाव

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



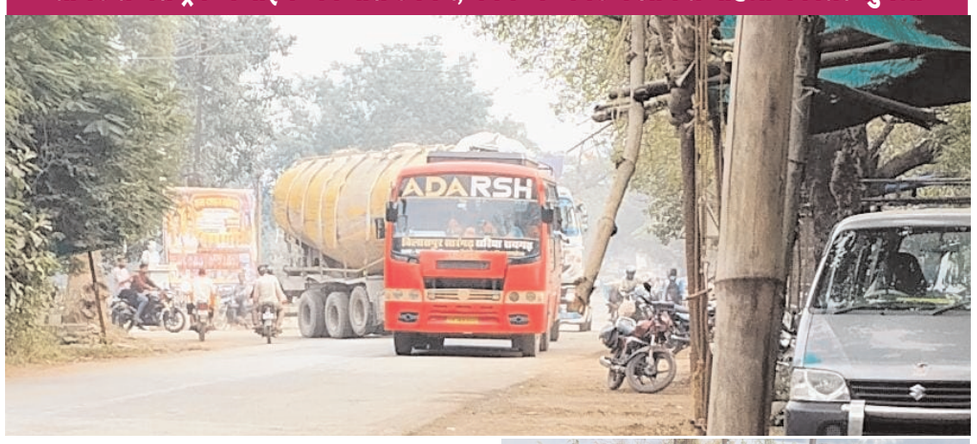
छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना-2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

तैयार प्रारूप को जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसके क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव ईमेल पर भेज सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।



भटगांव दुर्गा मंदिर के पास बड़ी दुर्घटना, वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत

सीमेंट से भरी ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, चक्के के चपेट मे आने से महिला का सिर कुचला



एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव,

भटगांव, नगर पंचायत भटगांव के बिर्रा मोड़ दुर्गा मंदिर के पास सुबह लगभग 9 बजे के आसपास एक बड़ी दुर्घटना हो गई है. जहाँ जानकारी के अनुसार ट्रक के चपेट मे बाइक आई जिससे वृद्ध महिला वाहन के चक्के मे आने से दर्दनाक मौत हो गई.ट्रक के चक्के ने महिला के सिर को कुचलकर गायब हो गया. वृद्ध दम्पति सराईपाली से बताया जा रहा है जो पवनी से वापस सराईपाली लौट रहे थे. जहाँ बिर्रा मोड़ दुर्गा मंदिर के पास घटना घटी. घटना के तुरंत बाद सुचना मिलते ही भटगांव पुलिस पहुंची जहां महिला को बिलाईगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया. पुलिस द्वारा घटना की विवेचना की जा रही है. ट्रक चालक वाहन के साथ घटना के बाद गायब है.

वहीं लोगो ने बताया कि ट्रक चाम्पा की ओर जाते दिखा. जहाँ पुलिस चाम्पा रोड गई लेकिन अभी तक वाहन व चालक की जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है, आसपास की सीसीटीवी फूटेज खंगाल रही है. वहीं महिला के परिजन घटना स्थल पहुंच चुके है. परिजनों ने इस घटना की भारी निंदा की है और ट्रक चालक के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के साथ मुआवजे की मांग किये हैं. वहीं इस सम्बन्ध मे पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा से चर्चा करने पर कहा कि बिर्रा मोड़ और बस स्टैंड मे अपना कर्मचारी तैनात करवाता हूँ और नो पार्किंग वाहनों पर अतिशीघ्र कार्यवाही करवाता हूँ. इस घटना को नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने बहुत ही दुःखद बताया और कहा कि बस स्टैंड और बिर्रा मोड़ मे सुबह 7 से लेकर शाम 7 बजे तक पुलिस की ड्यूटी जरुरी है. स्कूल टाइम मे 1000-1500 विद्यार्थी यहाँ से आते जाते है. तेज वाहनो एवं नो पार्किंग वाहनों पर पुलिस की कार्यवाही शून्य है जिससे आये दिन घटना घटती है. वहीं 2-3 चौक मे सीसीटीवी अतिशीघ्र लगाया जायेगा ताकि घटना स्थल पर पूरी जानकारी तुरंत प्राप्त हो और दोषियों पर तुरंत कड़ी कार्यवाही हो सके.



राज्योत्सव के विभागीय स्टॉलों में दिखी विकास की झलक

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया अवलोकन, 'जनमन' पत्रिका को सराहा



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर गुरुकुल खेल मैदान पेंड्रारोड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह एवं विशिष्ट अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्य अतिथि श्री सिंह एवं विशिष्ट अतिथियों ने जनसंपर्क विभाग के स्टॉल में लगाई गई फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभाग की मासिक पत्रिका 'जनमन' की सराहना की। फोटो प्रदर्शनी में महतारी वंदन, कृषक उन्नति, प्रधानमंत्री आवास, तेंदूपत्ता संग्रहण दर एवं बोनस, श्री रामलला दर्शन, घर-घर निर्मल जल अभियान, इन्वेस्ट छत्तीसगढ़, पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला एवं युवा कल्याण सहित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों को दर्शाया गया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के स्टॉल में फसल प्रदर्शन एवं जैविक खेती तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों एवं ऑयल पाम की खेती के फायदे प्रदर्शित किए गए। आदिम जाति कल्याण विभाग ने पीएम जनमन, स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक नवाचार तथा महिला एवं बाल विकास विभाग ने आदर्श आंगनबाड़ी एवं महतारी वंदन योजना की जानकारी प्रदर्शित की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल में स्वसहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों एवं खाद्य सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया। इसी प्रकार राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पशुधन विकास, मछली पालन, सहकारिता, हाउसिंग बोर्ड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जिला अग्रणी बैंक, श्रम, समाज कल्याण, उद्योग, पर्यटन, जल संसाधन, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, पुलिस, परिवहन, विद्युत एवं क्रेडा सहित विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉलों में विभागीय योजनाओं और उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की।

रायपुर स्टेशन के पुनर्विकास का मॉडल, वॉक-थ्रू फिल्म एवं 3डी एनामॉर्फिक फिल्म के माध्यम से दिख रही आधुनिक रेलवे की झलक

राज्योत्सव 2026 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल बना लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर,,

छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल नगर, नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान में 01 से 03 नवंबर 2026 तक आयोजित 'राज्योत्सव-2026' में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रदर्शनी स्टॉल लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष आयोजित राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रमों एनटीपीसी, एसईसीएल, सेल, बीएसएनएल सहित अनेक संस्थानों द्वारा अपनी उपलब्धियों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 'हमर रेलवे, हमर छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया गया है, जहां रेलवे की विकास यात्रा, उपलब्धियों, आधुनिक तकनीक और भविष्य की योजनाओं को रोचक एवं तकनीक आधारित माध्यमों से प्रस्तुत किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इस स्टॉल में आकर्षक बैकलिट पैनल्स के माध्यम से रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों, अधोसंरचना विकास, नई रेल लाइन परियोजनाओं, पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं एवं वर्तमान में प्रगतिरत



परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई है। वहीं, स्टॉल में स्थापित आरएस वॉल्व सिमुलेटर आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इसके माध्यम से बच्चे, युवा एवं अन्य आगंतुक ट्रेन के इंजन के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। यह अनुभव उन्हें रेल परिचालन की तकनीकी कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर प्रदान कर रहा है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर जारी मेजर रि-डेवलपमेंट कार्य तथा पुनर्विकास के बाद स्टेशन के प्रस्तावित आधुनिक एवं भव्य स्वरूप को दर्शाता आकर्षक मॉडल भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसके साथ ही एक बड़ी स्क्रीन पर रायपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की वॉक-थ्रू फिल्म प्रदर्शित की जा रही है, जिसके माध्यम से आगंतुक स्टेशन के भावी स्वरूप एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं की झलक देख पा रहे हैं।

स्टॉल के प्रवेश द्वार पर लगाई गई बड़ी डिजिटल स्क्रीन पर रेलवे से संबंधित रोचक क्विज आयोजित किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। क्विज के माध्यम से वे भारतीय रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित अपने ज्ञान को बढ़ा रहे हैं। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है।

बच्चों एवं युवाओं के मनोरंजन और तकनीक से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए स्टॉल में विशेष वीआर गेम जोन भी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में पुनर्विकास का कार्य पूर्ण कर चुके रेलवे स्टेशनों की आकर्षक पृष्ठभूमि के साथ सेल्फी लेने तथा तत्काल उसका प्रिंट प्राप्त करने की सुविधा आगंतुकों को एक नया और यादगार अनुभव प्रदान कर रही है।

प्रदर्शनी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक विशेष फिल्म बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शित की जा रही है। वहीं, स्वागत द्वार पर स्थापित 3डी एनामॉर्फिक स्क्रीन पर गत वर्ष एवं वर्तमान वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों को अत्याधुनिक दृश्य तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जो आगंतुकों को एक अलग और आकर्षक अनुभव प्रदान कर रही है। स्वागत द्वार के ऊपर प्रदर्शित वंदे भारत ट्रेन का विशाल कटआउट भी दूर से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

कुल मिलाकर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का यह प्रदर्शनी स्टॉल केवल उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का माध्यम नहीं, बल्कि रेलवे की विकास यात्रा, आधुनिक तकनीक, भविष्य की योजनाओं और जनसामान्य के साथ जुड़ाव को एक ही मंच पर प्रस्तुत करने का अभिनव प्रयास है। 'हमर रेलवे, हमर छत्तीसगढ़' की भावना को साकार करता यह स्टॉल राज्योत्सव में आने वाले बच्चों, युवाओं, परिवारों एवं आम नागरिकों के लिए जानकारी, मनोरंजन और तकनीकी अनुभव का एक विशेष केंद्र बना हुआ है।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को ऑर्बिट कंप्यूटर संस्थान, भटगांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

संस्थान के डायरेक्टर उमेश केवट की अनुमति एवं सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी सूर्यकांत चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि शासकीय कन्या शाला, भटगांव के शिक्षक राकेश जांगड़े उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सूर्यकांत चंद्रा ने कहा कि लौह पुरुष या सरदार जैसी उपाधि यूं ही नहीं मिलती, इसके पीछे कठिन परिश्रम, ईमानदारी, लगन और दृढ़ संकल्प होता है। वहीं विशिष्ट अतिथि राकेश जांगड़े ने सरदार पटेल के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों एवं उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही अतिथियों एवं शिक्षकगण को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एक विशेष गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत चंद्रा ने भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाओं के







माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को समझाने के लिए प्रतिभागियों को अलग-अलग राज्यों की भाषा में इस वाक्य को बोलने के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने पंजाबी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में इसे प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और आनंद का माहौल बना तथा युवाओं को देश की भाषाई विविधता में एकता का संदेश मिला।

कार्यक्रम के संचालक एवं नेशनल वॉलंटियर पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रसिद्ध कविता की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा–

÷भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है।÷

उन्होंने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से बना देश नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता, एकता और करोड़ों



देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। सरदार पटेल ने देशी रियासतों का एकीकरण कर इस एकता को मजबूत आधार दिया। आज युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे आपसी भाईचारे और सद्भाव को बनाए रखते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करें।

अंत में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ लेकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। आयोजक पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा ने सभी अतिथियों, डायरेक्टर, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर गुरुकुल खेल मैदान में भव्य राज्योत्सव, लोक संस्कृति के रंगों से सजी शाम

प्रकृति का वरदान है जीपीएम, जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर: विधायक श्री धर्मजीत सिंह

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर जिला प्रशासन द्वारा गुरुकुल खेल मैदान पेंड्रारोड में भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक कलाकारों और स्कूली विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जीवंत हो उठी।

मुख्य अतिथि श्री धर्मजीत सिंह ने राज्य स्थापना की बधाई देते हुए अविभाजित मध्य प्रदेश विधानसभा में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करने की स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और छत्तीसगढ़ सहित तीन नए राज्यों का निर्माण किया। उन्होंने राजकुमार कॉलेज के जशपुर हॉल में छत्तीसगढ़ विधानसभा की शुरुआत और उस समय की अस्थायी व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों से अपनी यात्रा शुरू करने वाला छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि राज्य गठन के बाद अस्तित्व में आया गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है। यहां के जंगल, पहाड़ और झरने प्रकृति के अनुपम वरदान हैं। उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही तथा जिला प्रशासन से बेहतर जनसेवा और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की उपलब्धियों



का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में किसानों को सर्वाधिक कीमत देने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम पर आगे बढ़ रहा है और महतारी वंदन योजना माताओं एवं बहनों के सशक्तीकरण का माध्यम बनी है। नक्सल उन्मूलन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त राज्य बन गया है।

विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने भी समारोह को संबोधित किया। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने स्वागत उद्बोधन दिया। राज्योत्सव में पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित लोक कलाकारों ने ढोल एवं मांदर की थाप पर कर्मा, सैला, डंडा, सुआ और गौरा-गौरी सहित विविध लोकगीतों एवं नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती छाया चंद्राकर एवं उनके लोक छाया दल की प्रस्तुति समारोह का विशेष आकर्षण रही। आयोजन स्थल पर विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर विकास कार्यों एवं योजनाओं को प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे, नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अध्यक्ष श्री राकेश जालान, जनपद पंचायत गौरेला के अध्यक्ष श्री शिवनाथ बघेल, जनपद पंचायत मरवाही की अध्यक्ष श्रीमती जानकी कुशरो, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा पैकरा, श्रीमती बुंद कुवर मास्को एवं श्री पवन पैकरा, गणमान्य नागरिक श्री लालजी यादव के साथ ही अनेक जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज खिलारी, वनमंडलाधिकारी श्री कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे सहित बड़ी संख्या में जिलेवासी, मीडिया प्रतिनिधि एवं लोक कलाकार उपस्थित थे।

अमरकंटक से अब सीधे एटीआर, केवची गेट से एंट्री:अचानकमार टाइगर रिजर्व में में सफारी शुरू, पहले दिन 11 ने कराई बुकिंग

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



अचानकमार टाइगर रिजर्व में पर्यटन के नए सत्र की शुरुआत के साथ पर्यटकों को नई सुविधा मिली है। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर केवची बफर सफारी प्रवेश द्वार और नए सफारी मार्ग का लोकार्पण किया गया। इससे अमरकंटक और मध्यप्रदेश की ओर से आने वाले पर्यटक अब सीधे अचानकमार पहुंच सकेंगे। पहले उन्हें कोटा-शिवतराई होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता था। नए गेट से समय और दूरी दोनों की बचत होगी। मुख्य वन संरक्षक मनोज पांडेय ने सफारी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन 11 जिप्सी सफारी और बैगा रिसॉर्ट के तीन कमरों की बुकिंग हुई।

केवची में आयोजित समारोह में सुबह 11ः30 बजे केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वन मंत्री केदार कश्यप ने वर्चुअल माध्यम से प्रवेश द्वार और सफारी मार्ग का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि अचानकमार की जैव विविधता और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए जिम्मेदार ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बनेंगे। मैकाल पर्वतमाला में फैले इस टाइगर रिजर्व में बाघ, तेंदुआ, गौर, भालू, सोनकुत्ता और चीतल सहित कई वन्यजीव पाए जाते हैं। यहां पक्षियों की 400 से अधिक प्रजातियां भी हैं। पर्यटन बढ़ने से स्थानीय युवाओं को गाइड, सफारी वाहन संचालन, होम-स्टे और आतिथ्य सेवाओं में काम मिलने की उम्मीद है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में पूरे करें सभी काम : श्री अरुण साव

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर और नगर पालिका भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों से कार्यों की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। श्री साव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों और निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। श्री साव के साथ विधायक श्री धरमलाल कौशिक भी निरीक्षण के दौरान



मौजूद थे। निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में पूरे करें सभी काम - श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सबसे पहले साइंस कॉलेज के पास नवागढ़ रोड पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने स्विमिंग पूल और नालंदा परिसर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने दोनों निर्माणाधीन परिसरों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

श्री साव ने नगर पालिका भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इन्हें निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिकारी कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान दें और इन्हें समय पर पूरा कराएं।

BEO कार्यालय के आसपास की झाड़ियों की हुई सफाई,

1300 शिक्षकों की सर्विस बुक और अधिकारी के स्थानांतरण पर अब भी सवाल





एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर,,

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिलाईगढ़ की अव्यवस्थाओं और शिक्षकों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद आखिरकार कार्यालय के अगल-बगल और पीछे उगी झाड़ियों की सफाई करा दी गई है। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद भी कार्यालय से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं का समाधान होना बाकी है। ऐसे में अब जिला शिक्षा अधिकारी की अगली कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

गौरतलब है कि कार्यालय में लगभग 1300 शिक्षकों की सर्विस बुक सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा, कार्यालय की खुली खिड़कियों, आगजनी के संभावित खतरे और लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारी को लेकर सवाल उठाए गए थे। खबर प्रकाशित होने के बाद झाड़ियों की सफाई होना राहत की बात है, लेकिन क्या केवल सफाई करा देना ही विभाग की जिम्मेदारी पूरी होने के लिए पर्याप्त है?

सर्विस बुक की सुरक्षा पर अब भी सवाल

कार्यालय में रखे शिक्षकों के महत्वपूर्ण सेवा अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। पूर्व में कुछ शिक्षकों की सर्विस बुक गायब होने संबंधी शिकायतें और आरोप भी सामने आए हैं, जिनकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में सवाल है कि क्या ष्ठश्वह्य इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे? क्या संबंधित अभिलेखों का सत्यापन कराकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी शिक्षकों की सर्विस बुक सुरक्षित और उपलब्ध हैं? यदि दस्तावेज गायब पाए जाते हैं, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई होगी या नहीं?प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासखंड बिलाईगढ़ अंतर्गत कार्यरत अनेक शिक्षकों की सर्विस आरोप लगाया गया है।

सांसद ने दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय राज्योत्सव का किया शुभारंभ

अटल जी के बनाए छत्तीसगढ़ को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे: सांसद राधेश्याम राठिया

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में आयोजित एकदिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। शुभारंभ से पहले उन्होंने आयोजन स्थल पर लगाए गए शासकीय विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और विभागीय योजनाओं तथा सेवाओं की जानकारी ली। समारोह का आगाज छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के गायन से हुआ। अतिथियों का स्वागत कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

मुख्य अतिथि श्री राठिया ने अपने संबोधन में राज्योत्सव को छत्तीसगढ़ के गौरव, पहचान और





सामूहिक उत्सव का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के लिए पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति प्रदेशवासी सदैव कृतज्ञ रहेंगे। राज्य के गठन के पीछे लंबे संघर्ष और अनेक महापुरुषों का योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा और वीर नारायण सिंह जैसे महापुरुषों के बलिदान और आदर्शों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को प्रदेश के इतिहास और उसके निर्माण की यात्रा से परिचित कराना जरूरी है।

सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ को सुंदर, सुरक्षित, समृद्ध और विकसित बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। राज्य की प्रगति के लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा, ताकि विकास का लाभ गांव-गांव और हर वर्ग तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गांवों तक नल से जल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम हो रहा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई एक और दो रुपये किलो चावल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने जरूरतमंद परिवारों को संबल दिया है। किसानों की खुशहाली को प्रदेश की समृद्धि का आधार बताते हुए श्री राठिया ने धान खरीदी और कृषि क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिले और गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, इसके लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। महिला सशक्तीकरण के संदर्भ में उन्होंने लखपति दीदी पहल का उल्लेख किया और कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका तथा आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिल रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) गरियाबंद संभाग, गरियाबंद
द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा विज्ञप्ति क्र. 3900/NIT-12/व.ले.लि./2026–27 गरियाबंद, दिनांक 31/10/2026

1 निविदा प्रपत्र कय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 17.11.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2 ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 25/11/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3 निविदा खोलने की तिथि :– 26/11/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे
4 निविदा प्रपत्र की कीमत :– 750 /–
5 निविदा प्रपत्र :– A
6 ठेकेदार की श्रेणी :– ई–पंजीयन के अंतर्गत द–श्रेणी से अ–श्रेणी तक

एन.आई.टी./निविदा कमांक	कार्य का नाम/No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे)/ अमानत राशि/ बैंक साल्वेंसी (रू.में)	कार्य की अवधि
12/T0039	जिला चिकित्सालय गरियाबंद मे विभिन्न निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	6.10 5000.00 91500.00	02 माह

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध हैं। इनका अवलोकन संबंधित कार्यालय में किया जा सकता हैं।

262704359/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग गरियाबंद

न्यूज इन शॉर्ट

डेढ़ माह से दूषित पानी की सप्लाई, आक्रोशित वार्डवासियों ने निगम कार्यालय में किया प्रदर्शन

धमतरी। शहर के सोरिद-जोधापुर-डाकबंगला वार्ड में पिछले डेढ़ माह से पाइपलाइन के माध्यम से दूषित एवं गंदे पानी की सप्लाई होने से वार्डवासी परेशान हैं। स्वच्छ पेयजल की समस्या को लेकर सोमवार को तीनों वार्डों के रहवासी बड़ी संख्या में नगर निगम कार्यालय पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने महापौर और आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समस्या का निराकरण करने की मांग की।प्रदर्शन के बाद वार्डवासियों एवं पार्षदों ने नगर निगम आयुक्त अरुण वर्मा को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पिछले डेढ़ माह से नलों में ऐसा गंदा पानी आ रहा है, जिसे पीना तो दूर, नहाने और कपड़े धोने के लिए भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसके कारण मोहल्लेवासियों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दूषित पानी के लगातार सेवन से जलजनित बीमारियां फैलने और क्षेत्र में महामारी की आशंका बनी हुई है।क्षेत्र की महिलाओं जिसमें बेदीन बाई, दुजबाई, सावित्री बाई और गायत्री बाई सहित अन्य रहवासियों ने बताया कि कई दिनों से घरों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। इसकी शिकायत करने के बावजूद समस्या दूर नहीं हुई है। मजबूरी में लोगों को पीने के पानी के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। पार्षद सुमन मेश्राम ने कहा कि वार्डवासी लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं। लगातार शिकायतों के बाद भी निराकरण नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना निगम की जिम्मेदारी है, लेकिन डेढ़ माह से लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो तीनों वार्डों के रहवासी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

विधायक श्री अजय चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में आज शाम होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ

धमतरी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय में जिला स्तरीय राज्योत्सव-2026 का गरिमामय शुभारंभ होगा। एकलव्य खेल मैदान में आयोजित समारोह का शुभारंभ शाम को कुरूद विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहेंगे। समारोह का विशेष आकर्षण जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 34 विभूतियों का सम्मान होगा। मुख्य अतिथि श्री अजय चंद्राकर इन विभूतियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों, समर्पण और समाज के प्रति योगदान का अभिनंदन करेंगे। सम्मानित होने वालों में आदिवासी समाज के उत्थान, चिकित्सा, खेल, शिक्षा, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, उद्यमिता, पर्यटन, लोककला, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व सहित विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्ति शामिल हैं। विशेष उल्लेखनीय है कि धमतरी जिले के श्री डुमन लाल ध्रुव को आदिवासी सामाजिक चेतना एवं समाज के उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शहीद वीर नारायण राज्य अलंकरण पुरस्कार तथा ग्राम मुजगहन के डॉ. दिनेश कुमार नाग को आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा एवं शोध-अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए धन्वंतरि सम्मान राज्य अलंकरण से राजधानी रायपुर में आयोजित राज्योत्सव समारोह में सम्मानित किया जा रहा है। इन दोनों विभूतियों का जिला स्तरीय राज्योत्सव में भी विशेष रूप से सम्मान किया जाएगा। सम्मानित होने वाली अन्य विभूतियों में कुश्ती एवं पहलवानी के क्षेत्र में श्री लक्ष्मण साहू, नेटबॉल खिलाड़ी कु. पूजा साहू, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. गुरुदयाल साहू, नि:शुल्क आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के लिए श्री शिवा प्रधान, योग के क्षेत्र में कु. रुचि साहू एवं श्री सुजय मंडल, चित्रकला के लिए सुश्री तनिष्का गुप्ता तथा स्पेशल ओलंपिक में उपलब्धि के लिए श्री सत्यांशु दीप शामिल हैं। इसी तरह मशरूम उत्पादन एवं महिला स्वावलंबन के लिए श्री चोवा राम साहू, ईको टूरिज्म एवं साहसिक बचाव कार्य के लिए श्री सतवंत कुमार महिलांग, कस्टम मिलिंग में उत्कृष्ट कार्य के लिए राइस मिलर्स, गौरैया संरक्षण के लिए श्री मोहन साहू, मिलेट्स प्रसंस्करण एवं कृषि उद्यमिता के लिए श्री द्वारिका साहू, पर्यटन एवं डिजिटल कंटेंट निर्माण के लिए धमतरी टूरिज्म से जुड़े प्रतिभाशाली युवा, युवा नेतृत्व एवं नवाचार के लिए श्री हिमांशु जैन, कार्बन क्रेडिट एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए श्री सावंत शर्मा तथा डिजिटल नवाचार एवं एआई वीडियो निर्माण के क्षेत्र में योगदान देने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा।

बिलासपुर में रंगारंग कार्यक्रम, डिप्टी सीएम अरुण साव हुए चीफ-गेस्ट

राज्योत्सव में सजेगी सुर-संगीत और संस्कृति की महफिल

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

बिलासपुर में पुलिस परेड ग्राउंड में सोमवार को राज्योत्सव की धूम रहेगी। शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक सुर, संगीत और संस्कृति की महफिल सजेगी। डिप्टी सीएम अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों से लेकर बैंड, कथक और गायन के कार्यक्रम होंगे।वहीं, रात में अनुराग शर्मा एंड ग्रुप की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी। इस बार राज्योत्सव का आयोजन सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर किया जा रहा है।

40 स्टॉलों में मिलेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

राज्योत्सव के दौरान पुलिस परेड ग्राउंड में राज्य और केंद्र सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जिसमें शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों के 40 स्टॉल भी लगाए जाएंगे।इनमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। नागरिक इन स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं और सरकारी सुविधाओं के बारे में जान सकेंगे। इसके लिए ग्राउंड में तैयारी पूरी कर ली गई है।



कार्यक्रम में ये अतिथि होंगे शामिल

कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्षों की भी उपस्थिति रहेगी।

स्कूली बच्चों और बैंड की प्रस्तुतियों से होगी शुरुआत

राज्योत्सव का सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 4 बजे स्कूली छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों और डीपीएस बैंड के साथ शुरू होगा। शाम साढ़े 5 बजे आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति होगी। इसके बाद साइबर साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम 6 बजे एकॉर्डियन वादन और साढ़े 6 बजे कथक कलाकार राधिका शर्मा अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। शाम 6.45 बजे तानिष्क वर्मा, कनक साहू और मयंशी खाण्डेलवाल गायन की प्रस्तुति देंगे।

तरंग और अनुराग शर्मा ग्रुप का होगा कार्यक्रम

शाम 7 बजे से साढ़े 7 बजे तक मंचीय कार्यक्रम होंगे। इसके बाद साढ़े 7 बजे तरंग बैंड, रात 8 बजे वंदिता साहू एंड ग्रुप और साढ़े 8 बजे से रात 11 बजे तक अनुराग शर्मा एंड ग्रुप की प्रस्तुतियां होंगी। इन कार्यक्रमों के जरिए दर्शकों को संगीत और सांस्कृतिक रंगों का आनंद मिलेगा।

112 उपार्जन केंद्रों में होगी खरीदी

रायगढ़ में 20 इंटर-स्टेट चेक पोस्ट पर निगरानी शुरू

अवैध धान परिवहन रोकने 10 तहसीलों में उड़नदस्ता दल गठित

एक सत बुलेटिन ➤ रायगढ़

रायगढ़ जिले में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होगी। इसके लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सीमावर्ती राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर बेचने की आशंका को देखते हुए जिले में 20 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट बनाए गए हैं।इन पर 1 नवंबर से निगरानी शुरू कर दी गई है। वहीं, जिले के 112 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जाएगी। कोचियों-बिचौलियों और अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने के लिए 10 तहसीलों में उड़नदस्ता दल भी गठित किए गए हैं।खरीदी शुरू होने से पहले ही जिला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है। चेक पोस्ट पर अवैध धान की आवक और बिक्री रोकने के लिए संबंधित क्षेत्र के तहसीलदारों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। राजस्व, खाद्य, मंडी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।

अधिकारी-कर्मचारी तय तिथि और समय के अनुसार चेक पोस्ट पर मौजूद रहकर सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले धान और वाहनों की जांच करेंगे। यहां तीन पालियों में चार टीमों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है।रविवार को लैलूंगा एसडीएम ने ग्राम हांडीपानी में ओडिशा सीमा पर तैयार हो रहे धान चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। वहीं, लमडांड-उषाकोठी मार्ग पर चेक पोस्ट शुरू कर दिया गया है।

10 तहसीलों में उड़नदस्ता दल गठित

अवैध धान परिवहन, भंडारण और कोचियों-बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जिला स्तरीय निगरानी समिति बनाई गई है। इसमें अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो, जिला खाद्य अधिकारी चितरंजन सिंह, सहकारी संस्थाओं के अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, अपेक्स बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक को शामिल किया गया है।



इसके अलावा रायगढ़, पुसौर, खरसिया, घरघोड़ा, तमनार, धरमजयगढ़, छाल, कापू, लैलूंगा और मुकडेगा तहसीलों में उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं। इनमें राजस्व, खाद्य, मंडी और सहकारिता विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल किया गया है।इन दलों को अपने-अपने क्षेत्रों में कोचियों-बिचौलियों की गतिविधियों के साथ अवैध धान की खरीदी, परिवहन और भंडारण पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

खरीदी से पहले सभी केंद्रों का होगा निरीक्षण

कलेक्टर ने सभी एसडीएम और केंद्र स्तरीय नोडल अधिकारियों को खरीदी शुरू होने से पहले अपने क्षेत्र के सभी धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्रों में जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कराने को कहा है।

कश्यप ने कांग्रेस नेताओं को लोमड़ी-पीएममोदी को बताया बाघ; जगदलपुर में भाजपा की पदयात्रा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर

जगदलपुर में सोमवार को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत भाजपा ने पदयात्रा निकाली। इससे पहले दंतेश्वरी मंदिर के सामने सभा हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और वन मंत्री केदार कश्यप और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद में वोट चोरी कर चुनाव जीता था। जिसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव रद्द कर दिया था।

वन मंत्री केदार कश्यप ने हल्बी में कहा कि देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं, बल्कि देश के लोग तय करेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की तुलना लोमड़ी से और पीएम नरेंद्र मोदी को बाघ



जगदलपुर में सोमवार को लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत भाजपा ने पदयात्रा निकाली। इससे पहले दंतेश्वरी मंदिर के सामने सभा हुई।

कार सवार को रोककर पांच हजार की लूट के नाबालिग सहित तीन आरोपित हिरासत में

वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी अभिरक्षा में लिया गया

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर

जिले के परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पल्ली रोड, कांगोली में कार से लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर मार-पीट करने और 05 हजार रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने आज सोमवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं, वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी अभिरक्षा में लिया गया है।गिरफ्तार आरोपितों में प्रकाश सेकर (26), निवासी महावीर नगर, जगदलपुर और राजीव साहू (23), निवासी तेतरकुटी, जगदलपुर शामिल है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूट की रकम में से एक हजार रुपये बरामद किए हैं।



परपा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम राजुर, तोकापाल निवासी चुम्मन दास (34) ने थाना परपा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 30 अक्टूबर को वह अपने निजी काम से कार लेकर तोकापाल गया था। वहां से लौटते समय वह ग्राम पल्ली रोड होते हुए धरमपुरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान 31 अक्टूबर कांगोली में एक डेली नीड्स दुकान के पास तीन लोगों ने उसकी कार रुकवा ली।

संपर्कों में कमी के कारण बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां बढ़ी हैं

हर गांव में मजबूत होगा बाल सुरक्षा तंत्र, ग्राम स्तरीय सतर्कता व्यवस्था विकसित करने की पहलः डॉ. वर्णिका शर्मा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

कोरबा जिले में एक बालिका के विरुद्ध हुए गंभीर अनाचार एवं उसकी मृत्यु की घटना के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं साझा कीं। उन्होंने परिवार की वर्तमान परिस्थितियों एवं आवश्यक सहायता के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को परिवार के प्रति संवेदनशीलता के साथ आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।डॉ. शर्मा ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी को परिवार के निरंतर संपर्क में रहने तथा परिवार के अन्य बच्चे की शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं विधिक सहायता संबंधी विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बच्चे की सुरक्षा, शिक्षा एवं समुचित देखभाल पर नियमित ध्यान देने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में परिवार की गोपनीयता, गरिमा एवं संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए।



प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी

बच्चों के विरुद्ध बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि पहले सामाजिक जीवन में बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा में परिवार के साथ-साथ पड़ोस और समुदाय की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। पड़ोस के लोग भी बच्चों के प्रति आत्मीयता एवं जिम्मेदारी का भाव रखते थे। वर्तमान समय में एकल परिवारों के बढ़ते चलन तथा सामाजिक संपर्कों में कमी के कारण बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां बढ़ी हैं।

ग्राम एवं पंचायत स्तर पर बनेगी बाल सुरक्षा की मजबूत व्यवस्था

डॉ. शर्मा ने कहा कि बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए केवल घटना के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर ऐसी व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है, जो संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर सके।इसी उद्देश्य से आयोग द्वारा ग्राम एवं पंचायत स्तर पर 'ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण एवं सतर्कता समिति' के गठन की पहल की जाएगी। इस संबंध में संबंधित विभागों एवं स्थानीय निकायों के साथ समन्वय कर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।प्रस्तावित व्यवस्था में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय महिलाओं तथा अन्य जिम्मेदार सामुदायिक सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों की समय रहते पहचान करना, संकटग्रस्त एवं सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों को संबंधित सेवाओं से जोड़ना तथा संभावित अपराध या किसी बच्चे की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंता की सूचना तत्काल सक्षम अधिकारियों तक पहुंचाना होगा।डॉ. शर्मा ने कहा कि यह व्यवस्था बच्चों के लिए एक सामुदायिक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर सकती है। इसके माध्यम से समाज के जिम्मेदार नागरिक बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं प्रशासन को समय पर सूचना उपलब्ध कराएंगे।उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित समिति की भूमिका जागरूकता, सहयोग एवं समयबद्ध सूचना देने तक सीमित होगी। किसी भी अपराध की जांच, संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में वैधानिक कार्रवाई तथा अन्य कानूनी प्रक्रिया संबंधित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा ही संपादित की जाएगी।

2027 वर्ल्ड कप के लिए ईशान किशन क्यों जरूरी

ओपनिंग से विकेटकीपिंग तक संभाल सकते हैं 3 जिम्मेदारियां; न्यूजीलैंड में उपकप्तानी करेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय टीम 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहती है, जो जरूरत के मुताबिक अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकें। ईशान किशन इस योजना में अहम हो सकते हैं। न्यूजीलैंड दौरे के आखिरी दो वनडे के लिए उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। इन मैचों में टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए खिलाड़ी नहीं खेलेंगे। इनमें टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल भी शामिल हैं।ईशान को उपकप्तानी देना इसलिए अहम है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट उन्हें भविष्य की टीम में बड़ी जिम्मेदारी के लिए देख रहे हैं।



ईशान एक साथ तीन भूमिकाएं निभा सकते हैंईशान की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी क्रम बदल सकते हैं। साथ ही विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं। इससे 15 खिलाड़ियों की सीमित वर्ल्ड कप टीम में उन्हें शामिल करने का फायदा बढ़ जाता है।

दोहरा शतक लगाने के बाद भी 2023 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाए

ईशान ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों पर 200 रन बनाए थे। उस समय यह वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक था। इसके बावजूद वह 2023 वर्ल्ड कप की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके। इसकी वजह रोहित शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद ईशान ने टी-20 में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह ओपनिंग के साथ तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर चुके हैं।वनडे में भी उन्होंने मिडिल ऑर्डर में अपनी उपयोगिता साबित की है। अफगानिस्तान के खिलाफ नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए 79 गेंदों पर 125 रन बनाए थे।

रोहित की वापसी से जायसवाल के लिए रास्ता मुश्किल

रोहित शर्मा ने पिछले चार वनडे मैचों में दो शतक और एक 92 रन की पारी खेलकर अपनी जगह मजबूत की है। इससे पहले उनकी टीम में जगह को लेकर सवाल थे और यशस्वी जायसवाल को ओपनिंग का विकल्प माना जा रहा था।जायसवाल ने जून में चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 110 रन बनाए थे। वह वनडे की शुरुआती 6 पारियों में दो शतक लगाने वाले भारत के इकलौते बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उस मुकाबले के बाद उन्हें न तो वनडे खेलने का मौका मिला और न ही टीम में जगह।वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनते समय सिर्फ एक विशेषज्ञ रिजर्व ओपनर रखना चयनकर्ताओं के लिए मुश्किल हो सकता है।

पंत को फिटनेस साबित करने का एक और मौका



न्यूजीलैंड जाने से पहले होगा दूसरा टेस्ट, पहले फिटनेस टेस्ट में पास नहीं हुए

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड दौरे पर जाने से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का एक और मौका मिलेगा। रविवार को बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए पहले फिटनेस टेस्ट में वह पास नहीं हो सके। अब मेडिकल स्टाफ अगले दो दिनों में उनका दोबारा टेस्ट कराने की तैयारी में है।पंत को अक्टूबर की शुरुआत में ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी। साइड स्ट्रेन में शरीर के पेट और पसलियों के आसपास की मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है। 23 अक्टूबर से उन्होंने बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का अभ्यास शुरू किया है।

अगर पंत दूसरे टेस्ट में फिट घोषित होते हैं, तो वह न्यूजीलैंड के लिंकन में 7 नवंबर से शुरू होने वाले भारत और न्यूजीलैंड के तीसरे चार दिवसीय मुकाबले से जुड़ सकते हैं। इसके बाद वह 19 नवंबर से शुरू होने वाले भारत के पहले टेस्ट के लिए भी उपलब्ध रहेंगे।पंत के शुरुआती दो मैचों से बाहर होने के बाद चयनकर्ताओं ने अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को भारत टीम में शामिल किया था। अनकैप्ड खिलाड़ी का मतलब है ऐसा क्रिकेटर जिसने अभी तक इंटरनेशनल मैच नहीं खेला हो।

गिल ने ईडन पार्क में तीन घंटे प्रैक्टिस की



भारत के कप्तान शुभमन गिल ने सोमवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में करीब तीन घंटे अभ्यास किया। उन्होंने बल्लेबाजी, फील्डिंग और कैचिंग पर काम किया।वहीं, विराट कोहली ने मैदान पर जिम सेशन किया, लेकिन बल्लेबाजी और फील्डिंग अभ्यास में हिस्सा नहीं लिया। रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड भी नेट्स पर नहीं आए।

गंभीर बोले- मेरी डिक्शनरी में डर शब्द नहीं

कप्तान अय्यर ने कहा- गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरूरत; फिलिप्स प्लेयर ऑफ द सीरीज

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है।गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया।भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

थकान के बावजूद जीत हासिल की

गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था।

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, रचिन रवींद्र वनडे सीरीज से बाहर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि दोनों खिलाड़ी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।चैपमैन बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं। जबकि प्रमोशनल शूट के दौरान रचिन रवींद्र का दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज 4 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगी।मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मार्क और रचिन इस टीम के लिए कितने अहम हैं। उनका इस सीरीज में नहीं खेलना दुखद है।' न्होंने कहा, 'मैं पिछले हफ्ते मार्क से मिला था। वह निराश हैं, लेकिन मैदान पर लौटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'

व्यापार

अलास्का एयर ग्रुप में 200 कर्मचारियों की छंटनी



अलास्का एयर ग्रुप ने घटते मुनाफे और बढ़ते खर्चों के बीच नॉन-कॉन्ट्रैक्ट स्तर के लगभग 200 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ष्टश्वह्व) बेन मिनिकुची ने कहा कि अगर यही परिस्थितियां बनी रहीं, तो एयरलाइन को इस साल 700 मिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।

इंडिगो में कल से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

1300, इंटरनेशनल में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में ?1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में ?10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12ः01 बजे से लागू होंगी।इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत ?121 से बढ़कर अब ?137 हो गई है। यानी 1 लीटर ञ्जस्न की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2त्न) बढ़ गई है।इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14त्न से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।



एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूलजेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। से 40त्न होती है।

अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी त्नस्ज्ञ दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाबः नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद



अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवालः क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाबः वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवालः क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाबः नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवालः जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाबः जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

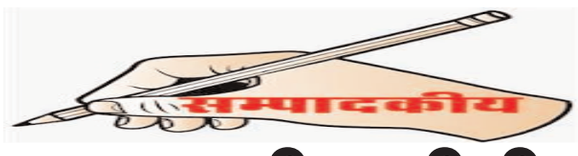
अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। ।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।



भारत की गरीबी के अर्धसत्य

क्या भारत में गरीबी 'नगण्य' स्तर पर आ रही है? क्या बहुत जल्द 'गरीबी-रेखा' की अवधारणा और मानकता समाप्त हो जाएंगी? क्या 285-400 रुपए रोजाना की आमदनी 'सामान्य स्थिति' है? गरीबी से उबरना है? देश के कण-कण, चप्पे-चप्पे, गली-मुहल्लों में जो गरीब परिवार दिखाई देते हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं और सामान्य आय-वर्ग में शामिल हो चुके हैं? आरएसएस के सरकार्यवाह (महामंत्री) दत्तात्रेय होसबाले ने 375 रुपए से भी कम रोजाना कमाने वालों को 'गरीबी' की श्रेणी में रखा था, जिसमें करोड़ों भारतीय बताए गए थे, क्या उस आकलन और सर्वेक्षण का अर्थशास्त्र गलत था? पश्चिम बंगाल से उप्र तक की पट्टी में देश के करीब 57 फीसदी गरीब माने जाते रहे हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं? देश में ऐसी कॉन-सी क्रांति या औद्योगिक विकास हुआ है, जिनसे गरीबी 3 फीसदी से भी कम पर आने का निष्कर्ष बताया जा रहा है? विश्व बैंक ने भारत की गरीबी पर जो रपट जारी की है, उसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता कितनी है? भारत में गरीबी और गरीब के आंकड़े विश्व बैंक ने खुद तो जमा नहीं किए। भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में 'अत्यधिक गरीबी' 3 डॉलर (करीब 285 रुपए) रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह 'अत्यधिक गरीबी' क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है।

(एक नजर)

दिवाली से पहले चमकेगी 3 राशियों की किस्मत

नवंबर का महीना शुरू होते ही ग्रहों की चाल कुछ राशियों के लिए खास रहने वाली है। महीने के पहले ही दिन चंद्रमा और मंगल की युति से कर्क राशि में लक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इस योग को धन, समृद्धि और आर्थिक उन्नति से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इस शुभ योग के प्रभाव से कुछ लोगों को लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है, तो कुछ के लिए कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी और कारोबारियों को मुनाफा मिलने के संकेत हैं। आइए जानते हैं नवंबर में बनने वाले इस लक्ष्मी योग से किन 3 राशियों को विशेष लाभ मिल सकता है।ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 1 नवंबर 2026 की शाम चंद्रमा कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल पहले से ही कर्क राशि में मौजूद हैं। ऐसे में दोनों ग्रहों की युति से लक्ष्मी योग बनने की बात कही जा रही है।ज्योतिष में चंद्रमा को मन, सुख-सुविधाओं और मानसिक स्थिति का कारक माना जाता है।

विचार

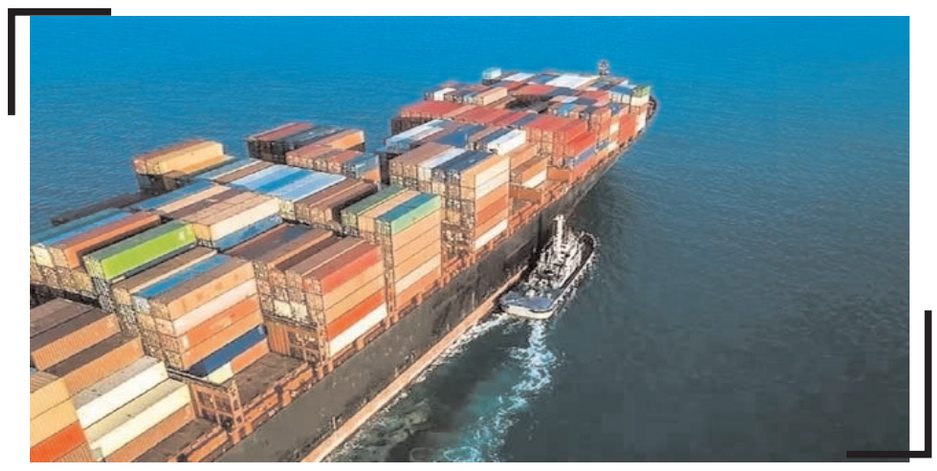
चीन से बढ़ते व्यापार असंतुलन की चुनौती

डा. जयंती लाल भंडारी

लेकख

ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा मसला है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत इस समय चीन के साथ तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डॉलर से दो गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया है। यद्यपि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई है, परंतु चीन से भारत आने वाले आयात का विशाल परिमाण व्यापार घाटे की खाई को और अधिक गहरा बना रहा है। ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। भारत बीते एक दशक से भी अधिक समय से अपनी विश्वस्तरीय जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और विविध कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में न्यायसंगत और पारदर्शी पहुंच की मांग करता रहा है। इसके विपरीत चीन अपने घरेलू उद्योगों और बाजार को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के



उद्देश्य से ऐसे जटिल नियामक नियम लागू करता है जिनके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी मूल्य और उच्च गुणवत्ता होने के बावजूद वहां अपनी पैठ नहीं बना पाते।इसके अतिरिक्त चीनी युआन की विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव भी भारतीय मुद्रा रुपए पर लगातार दबाव बढ़ाते हैं, जिससे व्यापार घाटे को पाटने के लिए भारत को अपने विदेशी मुद्रा भंडार का निरंतर इस्तेमाल करना पड़ता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक असंतुलन का एक और महत्वपूर्ण पहलू भारत के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया अभियान की चीनी कच्चे माल और घटकों पर बनी भारी निर्भरता है। यद्यपि भारत का घरेलू विनिर्माण क्षेत्र हाल के वर्षों में तेजी से विस्तृत हुआ है, लेकिन इसका औद्योगिक बुनियादी ढांचा अब भी काफी हद तक चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, डिस्प्ले पैनल, सोलर पीवी सेल, औषधीय कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) और भारी औद्योगिक मशीनरी चीन से आने वाले आयात पर पूरी तरह टिके हुए हैं। इस संरचनात्मक निर्भरता का सीधा परिणाम यह निकलता है कि जैसे-जैसे भारत के भीतर औद्योगिक उत्पादन, असेंबलिंग और विनिर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, वैसे-वैसे चीनी कलपुर्जों का आयात भी स्वतः-ही आनुपातिक रूप से बढ़ता चला जाता है। इसके साथ ही, चीन ने विश्वभर में दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ एलिमेंट्स), लिथियम और आधुनिक उर्वरकों के उत्पादन व निर्यात पर अपना एकाधिकार स्थापित कर कड़े नियम और कोटा लागू कर रखे हैं। निःसंदेह चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को स्थायी रूप से नियंत्रित करने के लिए ाई दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता।

विचार

गोपनीयता पर संकट

प्रदीप आर. सागर

लेखक

सिंह ने पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े को लेकर अमेरिका के समर्थन पर चिंता जताते हुए चीन और ईरान की ओर भी इशारा किया। हाल ही में अमेरिका ने 68 ।6 करोड़ डॉलर के एक अपग्रेड पैकेज को मंजूरी दी थी जिसमें उन्नत एवियोनिक्स, क्रिप्टोग्राफिक सिस्टम और क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल शामिल हैं। संवेदनशील सैन्य तकनीक का अनचाहे पक्ष के हाथों में पहुंच जाना उन देशों के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है जो एडवांस्ड वेपन सिस्टम का निर्यात करते हैं। दुनिया भर में ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें अत्याधुनिक सैन्य उपकरण और गोपनीय तकनीकी जानकारियां तीसरे पक्ष के हाथों में पहुंच गईं।

आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ हुई बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को संवेदनशील सैन्य तकनीक (जैसे एफ-16 अपग्रेड पैकेज) देने के जोखिमों पर वॉशिंगटन को आगाह किया है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें बेचने की प्रक्रिया में है।

आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बातचीत में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को संवेदनशील सैन्य तकनीक देने के जोखिमों को लेकर वॉशिंगटन को आगाह किया। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने की तैयारी कर रहा है। इंडोनेशिया के भारत के प्रतिद्वंद्वियों के साथ भी करीबी संबंध हैं। 28 अक्टूबर को फिलीपींस के सेबू में आसियान शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वॉशिंगटन को आगाह किया कि पाकिस्तान को संवेदनशील सैन्य तकनीक देने से उसके किसी 'तीसरे देश' के हाथों में पहुंचने का जोखिम है।सिंह ने पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े को लेकर अमेरिका के समर्थन पर चिंता जताते हुए चीन और ईरान की ओर भी इशारा किया। हाल ही में अमेरिका ने 68।6 करोड़ डॉलर के एक अपग्रेड पैकेज को मंजूरी दी थी जिसमें उन्नत एवियोनिक्स, क्रिप्टोग्राफिक सिस्टम और क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल शामिल हैं। संवेदनशील सैन्य तकनीक का अनचाहे पक्ष के हाथों में पहुंच जाना उन देशों के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है जो एडवांस्ड वेपन सिस्टम का निर्यात करते हैं। दुनिया भर में ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें अत्याधुनिक सैन्य उपकरण और गोपनीय तकनीकी जानकारियां तीसरे पक्ष के हाथों में पहुंच गईं। इस तरह की जानकारी लीक होने से सैन्य अभियानों में बढ़त कमजोर पड़ सकती है, संवेदनशील क्षमताओं का खुलासा हो सकता है और उन्नत हथियार प्रणालियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह खतरा सिर्फ जासूसी या साइबर हमलों से नहीं है। युद्ध के मैदान में हथियारों का छूट जाना, सैन्य उपकरणों पर कब्जा हो जाना, बिना अनुमति उनका हस्तांतरण और सप्लाई चेन की सुरक्षा में खामियां भी उतना ही नुकसान पहुंचा सकती हैं।भारत भी इन जोखिमों के दायरे में तेजी से आ रहा है क्योंकि वह अपने रक्षा निर्यात का विस्तार कर रहा है और



स्वदेशी सैन्य प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार रहा है। इनमें सबसे संवेदनशील प्रणालियों में से एक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे भारत और रूस ने मिलकर विकसित किया है। हाल के घटनाक्रमों ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने की भारत की संभावित योजना पर ध्यान खींचा है। पहला घटनाक्रम 21 अक्टूबर को दोहा में पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रियों के बीच हुआ बद्र समझौता ज्ञापन है। इसके जरिए डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, अनुसंधान एवं विकास, तकनीक साझा करने और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग के लिए एक नया ढांचा तैयार हुआ है।

दूसरा घटनाक्रम चीन के साथ इंडोनेशिया के बढ़ते संबंध हैं। इंडोनेशिया के छात्र चीनी भाषा मंदारिन और मेटलर्जी जैसे तकनीकी विषयों की पढ़ाई के लिए चीन के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में जा रहे हैं। शैक्षणिक आदान-प्रदान अपने आप में सैन्य तकनीक के हस्तांतरण का सबूत नहीं है लेकिन संवेदनशील रक्षा निर्यात से जुड़े रणनीतिक माहौल का आकलन करते समय दोनों देशों के व्यापक संबंधों को ध्यान में रखना जरूरी है।

तीसरा पहलू यह है कि इंडोनेशिया की निजी कंपनियां ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद के लिए स्थानीय साझेदार के तौर पर काम करती हैं। वे घरेलू स्तर पर प्रतिनिधित्व और सहायता का प्रबंधन करती हैं और भारतीय तथा इंडोनेशियाई रक्षा कंपनियों के साथ सहयोग करती हैं।

इन कंपनियों के पाकिस्तान और तुर्किये के साथ कारोबारी संबंधों और सब-कॉन्ट्रेक्ट की व्यवस्थाओं की जानकारी सामने आई है। ब्रह्मोस की खरीद प्रक्रिया के दौरान संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस मामले को सावधानी से संभालने की जरूरत है। जुलाई में भारत और इंडोनेशिया ने कथित तौर पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों और अस्त्र एमके-1 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद से जुड़े समझौते को औपचारिक रूप दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान जकार्ता में इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत के बाद यह घोषणा हुई। ब्रह्मोस के निर्यात बाजार में इंडोनेशिया का प्रवेश भारत की रक्षा साझेदारियों के विस्तार और रक्षा निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिशों में एक और महत्वपूर्ण कदम है। भारत के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग के संदर्भ में इंडोनेशिया की ब्रह्मोस में दिलचस्पी अहम है। दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी विकसित की है जिसमें रक्षा सहयोग उनके संबंधों का एक प्रमुख आधार बनकर उभरा है। साथ ही इंडोनेशिया ने चीन के साथ आर्थिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े संबंध भी मजबूत किए हैं। इसमें चीन की बेल्ट ाामिल है। ये अलग-अलग साझेदारियां दिखाती हैं।

विचार

अश्व प्रदर्शनी - परंपरा और बदलता समय

सिकंदर बंसल

लेखक

वर्तमान लवी मेले में स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्रों, पश्मीना, पट्टू, खाद्य पदार्थों, सूखे मेवों और कृषि-बागवानी से जुड़ी वस्तुओं का व्यापार होता है। इसके साथ ही आधुनिक उपभोक्ता वस्तुओं की दुकानें भी मेले का हिस्सा बन चुकी हैं। साथ ही चमुर्थी घोड़ा एक बड़ा आकर्षण है

हिमालय की दुर्गम घाटियों में जब बर्फ की मोटी चादर बिछने लगती थी और ऊंचे पर्वतीय मार्ग आवागमन के लिए कठिन हो जाते थे, तब पशुधन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता हुआ करता था। बैल खेतों की शक्ति थे, भेड़-बकरियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार और घोड़े दुर्गम पहाड़ों के सच्चे सहचर। पहाड़ों में पशु मनुष्य के जीवन, अर्थव्यवस्था और अस्तित्व के अभिन्न अंग रहे हैं। इसी जीवन-व्यवस्था से पशु मेलों और अश्व प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित हुई। देश के विभिन्न भागों में पुष्कर, सोनपुर और हिमाचल प्रदेश में नलवाड़ी जैसे पशु मेले इसी सांस्कृतिक एवं आर्थिक विरासत के प्रतीक हैं। इन मेलों में पशुओं की खरीद-फरोख्त के साथ नस्ल सुधार, पशुपालन के अनुभवों का आदान-प्रदान और ग्रामीण समाज की



आवश्यकताओं की पूर्ति होती रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में घोड़ों का विशेष महत्त्व था, क्योंकि वे दुर्गम रास्तों पर व्यापारिक सामग्री ढोने, यात्रियों को पहुंचाने और सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संपर्क बनाए रखने का प्रमुख साधन थे। इसी परंपरा की एक विशिष्ट झलक रामपुर बुशहर के लवी मेले से जुड़ी अश्व प्रदर्शनी में देखने को मिलती है। लवी मेले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि केवल उत्सव और मनोरंजन तक सीमित नहीं, बल्कि हिमालयी व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राजनयिक संबंधों की एक महत्त्वपूर्ण गाथा है। सतलुज नदी के तट पर स्थित रामपुर बुशहर कभी भारत और तिब्बत के मध्य व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार बुशहर रियासत के राजा और तिब्बत के शासकों के मध्य व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए एक संधि हुई थी।इस परंपरा का संबंध बुशहर के राजा केहर सिंह के शासनकाल से भी जोड़ा जाता है। कालांतर में लवी एक ऐसे व्यापारिक समागम के रूप में प्रतिष्ठित हुआ, जहां विभिन्न क्षेत्रों के व्यापारी अपने उत्पादों और पशुधन के साथ पहुंचते थे। यह मेला हिमालय की भौगोलिक सीमाओं को लांघकर विभिन्न सभ्यताओं, संस्कृतियों और आर्थिक गतिविधियों को एक साझा मंच प्रदान करने लगा। पुराने व्यापारिक मार्गों के माध्यम से तिब्बत, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और लद्दाख के व्यापारी रामपुर तक आते थे। व्यापक हिमालयी और मध्य एशियाई व्यापारिक नेटवर्क के अंतर्गत अफगानिस्तान, समरकंद, नेपाल तथा अन्य क्षेत्रों के साथ भी व्यापारिक संपर्कों का उल्लेख मिलता है। ऊन, पश्मीना, नमक, सूखे मेवे, मसाले, जड़ी-बूटियां, अनाज, स्थानीय हस्तशिल्प और पशुधन इस व्यापार के प्रमुख घटक थे। इन व्यापारिक यात्राओं में घोड़े और खच्चर परिवहन के महत्त्वपूर्ण साधन थे। व्यापारी कठिन पर्वतीय मार्गों से गुजरते हुए अपने सामान को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाते थे। उस समय लवी केवल एक मेला नहीं, बल्कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, भाषाओं और संस्कृतियों को जोडने वाला जीवंत व्यापारिक सेतु था। यहां व्यापार के साथ सामाजिक संबंधों का निर्माण होता था, सांस्कृतिक परंपराओं का आदान-प्रदान होता था और विभिन्न क्षेत्रों के लोग एक-दूसरे के जीवन, खानपान, वेशभूषा तथा रीति-रिवाजों से परिचित होते थे। वर्ष 1985 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में लवी मेले को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्रदान की गई। यह पहचान इसकी ऐतिहासिक व्यापारिक पृष्ठभूमि और भारत-तिब्बत के मध्य सदियों पुराने संबंधों की प्रतिष्ठा का प्रतीक थी। किंतु समय के साथ इसकी व्यापारिक प्रकृति में व्यापक परिवर्तन आया। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारत और तिब्बत के बीच पुराने व्यापारिक मार्गों पर व्यवधान उत्पन्न हुआ। सीमापार व्यापार लगभग समाप्त हो गया और उन विदेशी व्यापारियों का आगमन भी रुक गया, जो कभी अपने पशुओं और वस्तुओं के साथ इस मेले की रौनक बढ़ाते थे।इस प्रकार लवी की अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक पहचान धीरे-धीरे ऐतिहासिक स्मृति में परिवर्तित होने लगी। इस ऐतिहासिक पहचान के बीच हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना में लवी मेले के स्वरूप एवं स्तर को लेकर एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय स्तर के मेले के रूप में मान्यता दिए जाने का उल्लेख किया गया है। इस परिवर्तन के पीछे बदलती व्यापारिक परिस्थितियां, सीमापार वाणिज्यिक गतिविधियों का अवसान और मेले की वर्तमान भौगोलिक एवं आर्थिक सीमाएं प्रमुख कारण माने जा सकते हैं। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद तिब्बत के साथ पारंपरिक व्यापारिक मार्ग बाधित हुए और अफगानिस्तान, तिब्बत तथा मध्य एशिया के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पुराने व्यापारिक संपर्क भी धीरे-धीरे इतिहास का हिस्सा बन गए। परिणामस्वरूप कभी अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों और व्यापारिक कारवांओं से गुलजार रहने वाला लवी आज मुख्यतः भारत के विभिन्न राज्यों तथा हिमाचल के स्थानीय क्षेत्रों के व्यापारियों का केंद्र बनकर रह गया है। यद्यपि इसकी ऐतिहासिक ख्याति और सांस्कृतिक महत्ता आज भी अक्षुण्ण है, तथापि इसके व्यापारिकके अवसान की ओर संकेत करता है।

न्यूज इन शॉर्ट

रायपुर में 13 साल की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दो नाबालिग हिरासत में

रायपुर- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र से कक्षा आठवीं की 13 साल की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों की धमकी और डर के कारण पीड़िता ने किसी को भी घटना की जानकारी नहीं दी। हालांकि घटना के एक महीने बाद बालिका की तबीयत बिगड़ी, तब उसकी मां को पता चला। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। एक आरोपी की उम्र 14 और दूसरे की 16 है। दोनों को बाल संप्रेषण गृह भेज दिया गया है।
जानकारी के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की बताई जा रही है। बालिका अपनी सहेली से मिलने के लिए उसके घर गई थी। सहेली नहीं मिली, लेकिन उसका भाई और अन्य नाबालिग मौजूद था। बालिका को अकेला पाकर उन्होंने धमकाया और घिनौना काम किया। इसके बाद किसी को बताने पर जान से मारने की भी बात कही।बताया जा रहा है कि पीड़िता 8वीं कक्षा की छात्रा है। वारदात में शामिल एक नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है, जबकि दूसरा 9वीं कक्षा में पढ़ता है। विधानसबा स्थित एक आवासीय कॉलोनी में रहते हैं। आरोपियों का एक-दूसरे घर आना-जाना लगा रहता था। वहीं पीड़िता और आरोपियों के माता-पिता मजदूरी करते हैं। वह सुबह ही काम पर निकल जाते हैं।डरी-सहमी बालिका अपने घर लौट आई, लेकिन किसी को घटना के बारे में जानकारी नहीं दी। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। अचानक से उसे चक्कार आने लगा। परिवार वालों ने पूछताछ की तो उसने आखिरकार घटना के बारे में बताया।पीड़िता के परिवार ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट और संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में लिया। विधिवत कार्रवाई के बाद पुलिस ने दोनों को बाल न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें बाल संप्रषण गृह भेज दिया गया।

छुईखदान में गाली-गलौज करना पड़ा महंगा, दो युवक पहुंचे जेल

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज कर लोगों को परेशान करने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। छुईखदान के शराब भट्ठी रोड के पास लोगों से अभद्र व्यवहार करने की शिकायत मिलने के बाद केसीजी पुलिस ने दोनों युवकों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। कार्रवाई के बाद दोनों को उपजेल सलोनी भेज दिया गया है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर को छुईखदान के शराब भट्ठी रोड के आसपास दो युवकों द्वारा लोगों को गाली-गलौज कर परेशान किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की।पुलिस ने इस मामले में नन्दलाल निषाद , पिता संतोष निषाद, निवासी कनक नगर छुईखदान और विपिन जायसवाल (पिता शम्भू, निवासी टिकरीपारा छुईखदान के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवकों के व्यवहार से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके की स्थिति का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई।60/194/2026 के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 170, 126 और 135(3) के अंतर्गत कार्रवाई की है। इसके बाद दोनों युवकों को उपजेल सलोनी भेज दिया गया।
केसीजी पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को परेशान करने, गाली-गलौज करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई में केसीजी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री की पहल से ग्रामीण महिलाओं को मिल रहे रोजगार के नए अवसर, रेडी-टू-ईट निर्माण से सरस्वती समूह को हर महीने 50 हजार रुपये का मुनाफा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से ग्रामीण महिलाओं को मिल रहे रोजगार के नए अवसर, रेडी-टू-ईट निर्माण से सरस्वती समूह को हर महीने 50 हजार रुपये का मुनाफा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी दिशा में राज्य शासन द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को पूरक पोषण आहार रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य सौंपने की पहल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को मजबूत बनाने का माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ जिले में महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका उदाहरण रायगढ़ जिले के डूमरमुड़ा स्थित सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह की 10 महिलाएं हैं।



महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की प्राथमिकताओं में महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और बच्चों एवं माताओं के पोषण स्तर में सुधार शामिल है। महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट निर्माण से जोड़ने की पहल इन दोनों उद्देश्यों को एक साथ आगे बढ़ा रही है। इससे एक ओर ग्रामीण महिलाओं को अपने गांव और आसपास ही रोजगार के अवसर मिल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 :

मेले में ही मिलेगा निजी बोरवेल और कुओं के पानी की जांच का निःशुल्क अवसर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर आयोजित राज्योत्सव 2026 (01 से 03 नवंबर 2026) में इस बार आम नागरिकों के स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल को लेकर एक विशेष सुविधा शुरू की गई है। मेले में आने वाले नागरिकों को अपनी निजी जल स्रोतों की शुद्धता परखने का सीधा मौका मिल रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा राज्योत्सव के इस तीन दिवसीय भव्य आयोजन के दौरान विभागीय प्रदर्शनी स्थल पर पेयजल का प्रत्यक्ष रासायनिक जल परीक्षण किया जा रहा है। नागरिक अपने पीने और सिंचाई के पानी की गुणवत्ता (जैसे फ्लोराइड, आर्सेनिक, भारी धातुएं और बैक्टीरिया) की जांच बिना किसी शुल्क के सरकारी प्रयोगशालाओं में करवा सकते हैं।

निःशुल्क जल परीक्षण का लाभ उठाएं

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा दी जा रही इस सुविधा के तहत यदि कोई भी हितग्राही अपने घर के निजी ट्यूबवेल (बोरवेल) या कुएं के पानी की गुणवत्ता की जांच कराना चाहता है, तो वह बेहद आसानी से इसका लाभ उठा सकता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य प्रदर्शनी स्थल, राज्योत्सव परिसर में संपर्क किया जा सकता है। यह पूरी तरह से निःशुल्क है। जल नमूनों की जांच के तुरंत बाद विभागीय काउंटर से ही परीक्षण रिपोर्ट भी प्रदान की जा रही है, जिससे नागरिकों को पानी में मौजूद तत्वों और उसकी पीने योग्य स्थिति की सटीक जानकारी मिल सके।शुद्ध पेयजल के प्रति जागरूकता पर जोर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के इस स्टॉल पर विशेषज्ञों द्वारा आगंतुकों को पानी की गुणवत्ता, भू-जल संरक्षण और सुरक्षित पेयजल के उपायों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। राज्योत्सव में शामिल होने वाले आमजन इसकी दिशा में कदम उठा सकते हैं।



एक नर चीतल का शव पानी में तैरता मिला

एक ही दिन में दो चीतलों की मौत, गर्भवती मादा को कुत्तों ने किया घायल

एक सत बुलेटिन ➤ बालोद

। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में वन्यजीवों की मौत के दो मामले सामने आए हैं। रविवार को अलग-अलग घटनाओं में दो चीतलों की मौत हो गई। पहली घटना दल्लीराजहरा नगर क्षेत्र में हुई, जहां बीएसपी हॉस्पिटल के पास कुत्तों के हमले में घायल हुई गर्भवती मादा चीतल ने दम तोड़ दिया। वहीं दूसरी घटना डौंडीलोहारा वन परिक्षेत्र की है, जहां गैंजी गांव के पास गोंदीली जलाशय में एक नर चीतल का शव पानी में तैरता मिला। एक ही दिन में दो वन्यजीवों की मौत से वन विभाग में भी हलचल रही। दोनों चीतलों का पोस्टमार्टम कराने के बाद विधिवत अंतिम संस्कार किया गया।



बीएसपी हॉस्पिटल के पास कुत्तों ने किया हमला

जानकारी के मुताबिक, पहली घटना रविवार सुबह दल्लीराजहरा नगर क्षेत्र में सामने आई। यहां बीएसपी हॉस्पिटल के पास करीब दो वर्ष की गर्भवती मादा चीतल पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में चीतल गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल चीतल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के बाद उपचार शुरू होने से पहले ही मादा चीतल ने दम तोड़ दिया। वन विभाग के कर्मचारियों ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए चीतल का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद नियमानुसार उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों से वन्यजीवों को होने वाले खतरे को सामने ला दिया है। जंगल से भटककर आबादी वाले इलाकों में पहुंचने वाले छोटे वन्यजीव अक्सर कुत्तों के हमलों का शिकार हो जाते हैं।

महिला सरपंच ने कीटनाशक पीकर की आत्महत्या की कोशिश, मचा हड़कंप

छह महीने पहले उपचुनाव में बनी थीं सरपंच

एक सत बुलेटिन ➤ बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक महिला सरपंच के आत्महत्या की कोशिश करने का मामला सामने आया है। गुंडरदेही ब्लॉक की ग्राम पंचायत सियनमरा की सरपंच मंजू महिलांग (साहू) ने कथित रूप से मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक दबाव से परेशान होकर कीटनाशक पी लिया। घटना 31 अक्टूबर की रात सनौद थाना क्षेत्र की है। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। महिला सरपंच ने पंचायत के उपसरपंच और कुछ पंचों पर जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और पद छोड़ने के लिए दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घटना के बाद पंचायत व्यवस्था में महिला जनप्रतिनिधियों के सम्मान, अधिकार और कथित जातिगत भेदभाव को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने महिला सरपंच का बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छह महीने पहले उपचुनाव में बनी थीं सरपंच

जानकारी के मुताबिक, मंजू महिलांग करीब छह महीने पहले ग्राम पंचायत सियनमरा में हुए उपचुनाव में सरपंच निर्वाचित हुई थीं। उनका आरोप है कि सरपंच बनने के बाद से ही उन्हें पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधियों के विरोध और अपमान का सामना करना पड़ रहा था। आरोपों के मुताबिक, उपसरपंच और कुछ पंच लगातार उन पर दबाव बना रहे थे। महिला सरपंच ने बताया कि पंचायत के भीतर उन्हें सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलता था। यहां तक कि पंचायत कार्यालय में सरपंच की कुर्सी पर बैठने को लेकर भी कथित तौर पर आपत्ति जताई जाती थी।

ई-रिक्शा खरीदने के लिए निर्माण महिला श्रमिकों को मिलेगा एक लाख रुपए का अनुदान

छत्तीसगढ़ निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत पंजीकृत महिला श्रमिकों को मिलेगी आर्थिक सहायता

अनुदान की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में होगी अंतरित, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की पहल

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों को स्वरोजगार से जोड़ने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए ई-रिक्शा खरीदने पर 1,50,000/- या ई-रिक्शा क्रयमूल्य की 60 प्रतिशत राशि जो भी अधिकतम हो उक्त राशि का अनुदान दिया जाएगा। राज्य सरकार के श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा छत्तीसगढ़ निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता योजना शुरू की गई है। योजना के तहत पात्र महिला श्रमिकों को ई-रिक्शा खरीदने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अनुदान की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। इस सहायता से महिला श्रमिकों को आजीविका का नया साधन उपलब्ध होने के साथ ही उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।



योजना का लाभ 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की उन महिला निर्माण श्रमिकों को मिलेगा, जो संबंधित निर्माण श्रमिक कल्याण योजना के अंतर्गत पंजीकृत हैं। योजना में पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों के स्व-सहायता समूहों को भी शामिल किया गया है। ई-रिक्शा खरीदने के लिए मिलने वाली एक लाख रुपए की अनुदान राशि का उपयोग केवल ई-रिक्शा क्रय करने के लिए ही किया जा सकेगा।
योजना का लाभ लेने के लिए पात्र आवेदकों को निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इनमें पहचान पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड की प्रति, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाते का विवरण तथा ई-रिक्शा की रसीद शामिल हैं। आवेदन पत्र में मांगी गई सभी जानकारियां सही और पूर्ण रूप से भरना आवश्यक होगा।
योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक स्वयं अथवा किसी भी चॉइस सेंटर या श्रम कार्यालय के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षण एवं स्वीकृति की कार्रवाई की जाएगी। आवेदन स्वीकृत होने पर आवेदक को इसकी सूचना दी जाएगी।
योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग, खंड-तीन, द्वितीय तल, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, रायपुर में संपर्क कर सकते हैं। विभाग के दूरभाष क्रमांक 0771-2443513 तथा हेल्पलाइन नंबर 0771-2443515 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त हेल्पडेस्क ईमेल माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रदेश में ऐसे दस्तावेजों के पंजीयन की संख्या भी बढ़ी है

छत्तीसगढ़ में संपत्ति रजिस्ट्री पर बड़ी राहत! अब सिर्फ 500 रुपये में पंजीयन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में संपत्ति से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों का पंजीयन अब पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है। राज्य सरकार द्वारा वसीयत, पारिवारिक बंटवारा, हक त्याग और गिफ्ट डीड जैसे पात्र दस्तावेजों के पंजीयन शुल्क में की गई कटौती का असर सामने आने लगा है। इन दस्तावेजों पर पहले लगने वाले 0.8 प्रतिशत पंजीयन शुल्क को घटाकर महज 500 रुपये निर्धारित किया गया है। इससे लोगों को बड़ी आर्थिक राहत मिल रही है और प्रदेश में ऐसे दस्तावेजों के पंजीयन की संख्या भी बढ़ी है।

पात्र दस्तावेजों के पंजीयन में बड़ी बचत

उपलब्ध विभागीय आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 से 12 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश में इन श्रेणियों के कुल 37,842 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया। इस अवधि में सरकार को करीब 43.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। पंजीयन शुल्क में कटौती से विशेष रूप से परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति हस्तांतरण, बंटवारा और अधिकार त्याग से जुड़े दस्तावेजों के पंजीयन में लोगों की रुचि बढ़ने की बात सामने आई है। नई व्यवस्था के तहत पात्र दस्तावेजों के पंजीयन में बड़ी बचत हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति पर पहले 0.8 प्रतिशत की दर से 80 हजार रुपये पंजीयन शुल्क देना पड़ता था। अब उसी श्रेणी के पात्र दस्तावेज के लिए 500 रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित होने से 79,500 रुपये तक की बचत हो सकती है। हालांकि, यह राहत सभी प्रकार की संपत्ति रजिस्ट्रियों पर लागू नहीं है। यह व्यवस्था निर्धारित श्रेणी के पात्र दस्तावेजों के पंजीयन शुल्क से संबंधित है। सामान्य बिक्री विलेख यानी सेल डीड पर लागू शुल्क और स्टांप ड्यूटी को इससे अलग समझना जरूरी है।

रायपुर में सबसे ज्यादा पंजीयन

छत्तीसगढ़ में पंजीयन शुल्क घटने के बाद रायपुर जिले में सबसे अधिक दस्तावेजों का पंजीयन दर्ज किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार रायपुर में 5,324 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ। इसके बाद दुर्ग जिले में 4,079 और राजनांदगांव जिले में 3,263 दस्तावेजों का पंजीयन दर्ज किया गया। रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। विभागीय जानकारी के अनुसार शुल्क में कमी से संपत्ति से जुड़े पारिवारिक दस्तावेजों के पंजीयन को प्रोत्साहन मिला है।

पंजीयन शुल्क में कटौती का लाभ उठाने वाले रायपुर के एक हितग्राही ने बताया कि पिता से मकान उपहार में मिलने पर पहले उन्हें 73,632 रुपये पंजीयन शुल्क देना पड़ता। नई व्यवस्था के तहत पात्र गिफ्ट डीड के पंजीयन में केवल 500 रुपये खर्च हुए। इस तरह उन्हें 73,132 रुपये की बचत हुई।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 सशक्त नारी, युवा उड़ान

राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव

समापन समारोह 2026



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि
श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

03 नवंबर 2026

सायं 6.00 बजे

राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

सशक्त नारी युवा उड़ान



सुशासन समृद्धि समावेशी विकास

संवर रहा छत्तीसगढ़

पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा
बस्तर-सरगुजा के 815 गाँवों तक सुलभ परिवहन सुविधा

शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा
75 सुरक्षा कैंप बन रहे सेवा के केंद्र

CM हेल्पलाइन 1076 समस्या तुंहर, समाधान हमर

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान
49677/55

सेवा सेतु
जनता के द्वार, डिजिटल सरकार
38 विभागों की 953 सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें